

Daily News

04 May, 2017

Page No.016

शैक्षिक एवं विकास कार्य को मिलेगा बढ़ावा

विवि-कॉलेजों को अब सात साल के लिए ग्रेड

मिलेगा कॉलेज और विश्वविद्यालयों को फायदा डेली न्यूज

अजमेर > 3 मई

कॉलेज और विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद (नैक) की ग्रेड सात साल के लिए देने की शुरुआत हो गई है। पहले यह अवधि पांच साल की थी। सात साल की एकमुश्त ग्रेडिंग मिलने से संस्थाओं को शैक्षिक एवं विकास कार्य करने में सुविधा होगी। पूर्व ग्रेडिंग की अवधि पांच वर्ष थी। यूजीसी ने संस्थाओं के फीडबैक और मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सिफारिश पर इसकी अवधि सात वर्ष की है। सभी संस्थाओं को इसी वर्ष से सात साल की ग्रेडिंग देने की शुरुआत की गई है। पूर्व में



अंतर्वार यू मिलती है ग्रेडिंग

3.56-4.00	ए डबल प्लस
3.51-3.75	ए प्लस
3.01-3.50	ए
2.76-3.00	बी डबल प्लस
2.51-2.75	बी प्लस
2.01-2.50	बी
1.51-2.00	सी
1.50	डी

नैक ग्रेडिंग की अवधि पांच साल थी। देश के कई विश्वविद्यालयों में कुलपतियों का कार्यकाल तीन या पांच साल है। इस अवधि में कुलपति उच्च शिक्षा में नवाचार

और विकास योजनाओं को ज्यादा बढ़ावा नहीं दे पाते। योजनाओं के अमली जामा पहनाने तक उनका कार्यकाल समाप्त हो जाता है। उधर नया पदभार ग्रहण करने वाले कुलपतियों को सबसे पहले नैक टीम का निरीक्षण करना होता है। अधिकांश विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की संख्या लगातार घट रही है। ऐसी स्थिति में कई शिक्षाविद, कुलपतियों और विशेषज्ञों ने नैक की ग्रेडिंग सात साल करने का सुझाव दिया था।

इनका कहना है

यूजीसी ने ग्रेडिंग की अवधि पांच से बढ़ाकर सात साल की है। यह अच्छा कदम है। देश के सभी उच्च शिक्षण संस्थाओं को इसका लाभ मिलेगा। शैक्षिक और विकास कार्य की गति बढ़ाने में मदद मिलेगी। प्रो. कैलाश सोडाणी, कुलपति मदस विवि, अजमेर

283 प्रधानाध्यापक व 283 सामाजिक विज्ञान के वरिष्ठ अध्यापक पद समाप्त

माध्यमिक स्कूलों के 566 पद अधिशेष घोषित

माध्यमिक स्कूलों उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नत

डेली न्यूज, बीकानेर। शिक्षा विभाग की माध्यमिक स्कूलों से सरकार ने 566 शिक्षकों के पद अधिशेष घोषित करते हुए इन पदों पर कार्यरत संस्था प्रधानों व वरिष्ठ अध्यापकों को अन्यत्र लगाने की तैयारी कर ली है। ऐसा इसलिए हुआ कि राज्य की 283 माध्यमिक स्कूलों को नए शिक्षण सत्र 2017-18 से उच्च माध्यमिक स्कूलों में क्रमोन्नत कर दिया गया। क्रमोन्नत माध्यमिक स्कूलों के प्रधानाध्यापकों व सामाजिक विज्ञान विषय के वरिष्ठ अध्यापकों के पद समाप्त कर दिए गए हैं, जिससे इन स्कूलों में पदस्थापित संस्था प्रधानों व सामाजिक विषय के वरिष्ठ अध्यापक अधिशेष हो

283 प्रधानाचार्य व करीब 849 व्याख्याताओं के पद होंगे स्वीकृत

माध्यमिक से उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नत किए गए सरकारी स्कूलों में 283 पद प्रधानाचार्यों के तथा प्रत्येक स्कूल में 3 के हिसाब से वैकल्पिक विषयों के करीब 849 के व्याख्याताओं के पद भी स्वीकृत किए जाएंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक वीएल स्वर्णकर ने क्रमोन्नत विद्यालयों के संस्था प्रधानों को 5 मई को होने वाली अभिभावक अध्यापक परिषद की बैठक में अभिभावकों व छात्रों की मांग के अनुसार वैकल्पिक विषयों का चयन कर प्रस्ताव निदेशालय को भेजने के निर्देश दिए हैं।

कला संकाय के पद होंगे स्वीकृत

क्रमोन्नत स्कूलों से सामाजिक विज्ञान विषय के वरिष्ठ अध्यापकों के पद आहरित करने से ये स्पष्ट हो गया है कि इन स्कूलों में इतिहास या राजनीति विज्ञान विषय में से कोई एक विषय तो वैकल्पिक विषय के रूप में होगा ही। इसी को ध्यान में रखते हुए इन सभी क्रमोन्नत 283 स्कूलों से सामाजिक विज्ञान विषय के वरिष्ठ अध्यापकों के पद आहरित किए गए हैं। इसके अलावा दो अन्य पद कला संकाय में से कोई दो हो सकते हैं।

गए हैं। उन्हें दूसरे स्थानों पर भेजा जाएगा। अब इन स्कूलों में प्रधानाचार्यों व व्याख्याताओं के पद स्वीकृत किए जाएंगे।